महाकाल मंदिर समिति के सामने नई जमीन का संकट

- फूल-पत्ती और प्रसाद विक्रेताओं का दुकान के लिए संघर्ष जारी
- सिंहस्थ से पहले समाधान की मांग
- कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं मिली दुकानें

नवभारत न्यूज

उज्जैन. विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर क्षेत्र में महाकाल लोक के प्रथम चरण के निर्माण के दौरान हटाए गए छोटे व्यापारियों की दुकानें अब मंदिर प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गई हैं. मामला स्थानीय कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है.

महाकाल मंदिर समिति को फूल-पत्ती, पेड़ा प्रसाद एवं अन्य पूजन सामग्री विक्रेताओं के लिए लगभग 200 अतिरिक्त दुकानों का निर्माण करना होगा, इसके लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं हो पा रही है.

जिला प्रशासन ने हटाया था- महाकाल लोक के निर्माण के समय नगर निगम एवं जिला प्रशासन द्वारा मंदिर क्षेत्र से छोटी बड़ी करीब डेढ़ सौ से 200 दुकानों को हटाया गया था. इनमें फूल-पत्ती और प्रसाद विक्रेता शामिल थे. दुकान हटने के बाद कई व्यापारियों ने सेशन कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक न्यायालय की शरण ली.

पुनः दुकान देने के आदेश- स्थानीय सेशन कोर्ट द्वारा छोटे व्यापारियों को पुनः दुकान उपलब्ध कराने के आदेश भी जारी किए जा चुके हैं, बावजूद जिला प्रशासन, महाकाल मंदिर प्रशासन और नगर निगम के बीच फाइलें आगे-पीछे घूमती रही हैं.

सिंहस्थ में दुकान नहीं मिली तो हो जाएंगे बर्बाद

दुकानदारों का कहना है कि सिंहस्थ महापर्व निकट है और यदि उससे पहले उन्हें स्थायी दुकानें नहीं मिलीं तो उनका पूरा व्यापार चौपट हो जाएगा. मजबूरी में कई व्यापारी बीते पांच वर्षों से फुटपाथ पर, किराये की दुकानों में या फिर अपने घरों से ही व्यापार कर रहे हैं.

करीब 83 दुकान अर्जेंट बनाना- वर्तमान में करीब 33 दुकानें फूल-पत्ती विक्रेताओं को और लगभग 50 दुकानें महाकाल मंदिर का प्रसाद बेचने वालों को दिए जाने की मांग है. कुल मिलाकर डेढ़ सौ से अधिक दुकानों के निर्माण की आवश्यकता बताई जा रही है. इसी बीच पेड़ा प्रसाद एवं अन्य सामग्री विक्रेताओं ने भी न्यायालय में केस दर्ज कराया है, जिससे मामला और जटिल हो गया है.

अफसर से लगा रहे गुहार

व्यापारियों ने उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से लेकर संभाग आयुक्त आशीष सिंह और महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक से लगातार आवेदन-निवेदन करने की बात कही है. उनका कहना है कि सिंहस्थ आ रहा है और महाकाल लोक पार्ट-2 का निर्माण भी प्रारंभ हो चुका है, ऐसे में अब समाधान निकालना और भी आवश्यक हो गया है.

जरूरतमंदों के लिए प्रारंभ हुआ नेकी का वाहन

- नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं समाजसेवी अजीज भाई दरगाह वाला की स्मृति में गर्म वस्त्र वितरित

उज्जैन। सर सैयद अहमद सामुदायिक मध्यस्था केंद्र एवं सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जरूरतमंदों के लिए नेकी का वाहन चलाया गया।

सरस्वती अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद अबीद अली मीर ने बताया कि संस्था द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जरूरतमंदों के लिए नेकी के वाहन का शुभारंभ क्रांतिकारी आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं समाजसेवी अजीज भाई दरगाह वाला की स्मृति में छत्री चौक से किया गया। सचिव धर्मेंद्र राठौर एवं मार्गदर्शक मोहम्मद इकबाल उस्मानी ने बताया संस्था द्वारा प्रत्येक सप्ताह दो महान शख्सियतो के नाम से नेकी का वाहन विभिन्न चौराहो से चलाया जाएगा। नेकी के वाहन का शुभारंभ समाजसेवी जहिर नागोरी ने किया। इस अवसर पर शिक्षाविद सादिक मंसूरी, डॉ. शकील नागौरी, जाहिद नूर एडवोकेट, डॉ. कलाम युवा मंच के अध्यक्ष समीर खान, समाजसेवी शाकिर शेखस, फारूक अहमद (भययू भाई) हसनैन अहमद आदि उपस्थित थे। अपने मुख्य अतिथि उद्बोधन में समाजसेवी जहिर नागोरी ने कहा इस कड़ाके की सर्दी में जरूरतमंदों के लिए नेकी का वाहन चलाना प्रेरणादायक कार्य है। सोनू सिंह आनंद, नसरीन कमर अली, शहला शकील अहमद जयपुर, नासिर मंसूरी, शमसी जफरुल्लाह उदयपुर, तौकीर आलम एडवोकेट झालावाड़, शबाना बबलू भाई इंदौर, हाजी असलम भाई दरगाह वाला नागपुर, युसूफ भाई किराने वाले, मुस्ताक खान कॉन्टैक्टर, नसिर हुसैन अनस मेडिकल, हाजी इस्माइल भाई रंगवाला, सैयद उस्मान हसन, सलीम नागोरी, बिलाल भाई दरगाह वाला का सहयोग रहा। उपरोक्त जानकारी संयुक्त सचिव सैयद आशिक अली एवं प्रचार सचिव चेतन ठक्कर ने दी।

क्षत्रिय मराठा समाज की समीक्षा बैठक

- सेवा देने वाली कार्यकारिणी का हुआ सम्मान

उज्जैन। 24 खंबा महाकाल घाटी स्थित क्षत्रिय मराठा समाज की धर्मशाला में समाज अध्यक्ष अनिल धर्मे की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समाज के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी टीम के सदस्य उपस्थित रहे। समाज के सचिव अनिल गावड़े ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में समाज के सर्वांगीण विकास, समाज के बीच जाकर कार्य करने की रूपरेखा तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान समाज को एकजुट रखते हुए भविष्य की योजनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में आगामी चम्पाषष्ठी महोत्सव के आयोजन को लेकर पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने सुझाव रखे गए। समाज में बेहतर व्यवस्थाएं बनाकर सामूहिक सहभागिता एवं समाजिक एकता के साथ छत्रपति शिवाजी जयंती, हल्दी कंकु के कार्यक्रम संपन्न कराने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के अंत में चम्पाषष्ठी महोत्सव 2025 के दौरान उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले सभी कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाजसेवियों का समाज की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिल धर्मे ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के सभी कार्यक्रमों की सफलता आप सभी की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। समाज की यह सक्रियता आने वाली पीढ़ी को सनातन धर्म एवं समाज सेवा की दिशा में प्रेरित करेगी। आज जो कार्य हम कर रहे हैं, वही हमारे बच्चों के लिए मार्गदर्शन बनेगा, जो भविष्य में समाज को और आगे बढ़ाएगा यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। बैठक में इस मौके पर कोषाध्यक्ष राजेश खोयरे, उपाध्यक्ष अनीता शिन्दे, मुकेश शिंदे, सह सचिव प्रशांत शिन्दे, प्रवीण जाधव कार्यकारणी सदस्य रेखा कदम, ममता खोयरे, तेजस्विनी शिन्दे, सविता भोईटे, रणजीत राव सपकाले, अनिल खोकले, मधुकर राव यादव, यशवंत इंगले, राजेंद्र कुमकर, अजय शिन्दे, अंकित कदम, दिलीप जाधव, महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना चव्हाण, चेतना कड़ेकर, निधि जाधव, दीपा गावडे, प्राची शिंदे, प्रति कदम ज्योति इंगले, सुनेना पवार, वरिष्ठ समाजजन पूर्व अध्यक्ष अशोक कदम, यशवंत चव्हाण, उमाकांत धर्मे, शरद शितोले, सूर्यकांत थोरात, भास्कर राव जाधव, राजेश करे, नरेंद्र जाधव, दीपक काटे युवा जितेंद्र शिन्दे, प्रतीक भूसेकर, मयंक भोसले, अपूर्व धर्मे, पवन पवार, गौरव रोकड़े आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

222 किमी की यात्रा कर भोपाल से उज्जैन आए 20 साइक्लिस्ट का किया सम्मान

- फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, स्वच्छ एवं हरित भारत के उद्देश्य से हुई साइक्लोथॉन

उज्जैन। फिटनेस को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज को स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से भोपाल से उज्जैन 222 किलोमीटर की यात्रा कर आए 20 साइक्लिस्ट का सम्मान भारत विकास परिषद हरसिद्धि शाखा की पूर्व अध्यक्ष आरती खरे की अगुवाई में किया गया।

आरती खरे ने बताया कि फिट इंडिया मूवमेंट और ग्रीन इंडिया क्लिन इंडिया अभियान के समर्थन में, एसबीआई द्वारा पॉट्स सदस्यों के सहयोग से भोपाल से उज्जैन साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। सभी फिनिशर साइकिलिस्ट को भोपाल से उज्जैन 222 किलोमीटर की यात्रा पूर्ण करने पर स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया।

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया अपने निरंतर चल रहे क्लीन एंड ग्रीन इंडिया मिशन के तहत पर्यावरण जागरूकता, सामाजिक दायित्व और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी मिशन के अंतर्गत एसबीआई अपने कर्मचारियों, ग्राहकों और सहयोगियों के बीच स्वास्थ्य एवं फिटनेस को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियाँ आयोजित करता रहता है। इसी क्रम में एसबीआई क्लीन एंड ग्रीन इंडिया मिशन दृ भोपाल से उज्जैन साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। एसबीआई का विश्वास है कि स्वस्थ नागरिक ही एक मजबूत और प्रगतिशील राष्ट्र की नींव होते हैं। इस प्रकार की पहलें न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ाती हैं, बल्कि लोगों को स्वच्छता, हरित ऊर्जा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। एसबीआई को आशा है कि स्वच्छ भारत, हरित भारत-स्वस्थ भारत की यह पहल अधिक से अधिक लोगों को फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरित करेगी।

आईएएस संतोष वर्मा के समर्थन में 17 दिसंबर से तीन दिवसीय अनिश्चितकालीन धरना

उज्जैन। कोठी पैलेस स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ एवं एससी-एसटी-ओबीसी के विभिन्न संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में अजाक्स संगठन के प्रांताध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा को पद से हटाए जाने के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें सभी संगठनों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आईएएस संतोष वर्मा के समर्थन में 17 दिसंबर (बुधवार) को सुबह 11 बजे से टॉवर चौराहे पर अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ किया जाएगा। यह धरना तीन दिनों तक चलेगा और 19 दिसंबर को समाप्त होगा। संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ की गई कार्रवाई वापस नहीं ली जाती है, तो 20 दिसंबर को उज्जैन में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसमें 15 से 20 हजार समाजजन एकत्रित होकर प्रदर्शन करेंगे।

बैठक में प्रमुख रूप से अजाक्स संगठन, डॉ. आंबेडकर विद्यार्थी संगठन, भीम आर्मी, भारतीय बौद्ध महासभा, राष्ट्रीय बौद्ध महासभा, डोमा परिसंघ, आजाद समाज पार्टी, गुजराती बलाई युवा संगठन, मालवीय बलाई समाज संगठन, रविदास सेवक संघ, गुजराती सूर्यवंशी समाज सहित अनेक संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर धर्मेंद्र सोलंकी, प्रकाश चौहान, राजेश वर्षी, धूल सिंह सूर्यवंशी, रमेश सूर्यवंशी सहित अन्य संगठन प्रतिनिधि मौजूद थे। यह जानकारी राम सोलंकी ने दी।

एक नजर — स्कूल, कॉलेज, होस्टल में पहुंचकर बताए नशे के दुष्परिणाम

दुर्गा वाहिनी ने चलाया नशा मुक्ति अभियान, छात्राओं को दिलाई शपथ

उज्जैन। विश्व हिन्दू परिषद् दुर्गा वाहिनी बहनों द्वारा दुर्गा वाहिनी उज्जैन जिला संयोजिका प्रियंका सिंह परमार की अगुवाई में उज्जैन जिले में नशामुक्ति अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत विक्रम यूनिवर्सिटी, डीससीए कॉलेज, निर्मला कॉलेज, एनसीसीई में, गर्ल्स हॉस्टलों में स्कूल, कोचिंग में, छोटी संस्थानों में, ऐसे सभी जगह पर नशामुक्ति हेतु जागरूक किया तथा नशे के दुष्परिणाम बताए। एनसीसीई की बहनों ने नाटक के माध्यम से नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया।

दुर्गा वाहिनी के तत्वावधान में कालिदास कन्या महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक विशेष शिविर एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा उन्हें नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रियंका सिंह परमार (दुर्गा वाहिनी) रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने छात्राओं को नशे से दूर रहने के व्यावहारिक उपाय बताते हुए आत्मसंयम और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आव्हान किया। दुर्गा वाहिनी बहनों ने जगह जगह पर नशामुक्त हो के पोस्टर भी लगाएं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की उज्जैन महानगर सह मंत्री गुनगुन मालवीय ने अपने संबोधन में कहा कि आज भारत में सबसे अधिक युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आ रही है। इससे दूर रहने के लिए हमें सबसे पहले अपने घर और मित्रों से शुरुआत करनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने आसपास के लोगों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करें।

इस अवसर पर कालिदास प्रखंड संयोजिका रचना चौहान, कालिदास प्रखंड दिव्या निगम, केशव प्रखंड से वैष्णवी दीदी, आकांक्षा यादव, पूजा जैन, मुस्कान ठाकुर, सुष्मिता राजपूत, शिवानी माली, पूजा शर्मा, कनिष्क राठौर तथा एबीवीपी इकाई अध्यक्ष प्रिया शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी बहनों ने मिलकर कार्य सम्पन्न किया। सभी अतिथियों ने छात्राओं को नशा मुक्ति का महत्व समझाया और उन्हें समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित छात्राओं को नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवन जीने की शपथ दिलाई गई। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। यह जानकारी प्रियंका सिंह परमार ने दी।

एक नजर

वार्षिक खेल समारोह संपन्न

महिदपुर। सेंट जोसेफ कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 13 दिसंबर को वार्षिक खेल समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिदपुर शहर के नवागत एसडीओपी, आईपीएस जेनडेन लिंगजेरपा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रार्थना गीत एवं स्वागत भाषण के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । विद्यालय की हेड गर्ल आयुषी परमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात खेल परंपरा के अनुसार ज्ञान जीवन और खेल के बीच निरंतरता की प्रतीक खेल मशाल गत वर्ष के विजेता धावको एवं हेडबाय वीरम सेवक के द्वारा मुख्य अतिथि को सौंपी गई। तत्पश्चात एसडीओपी के कर कमलों द्वारा मुख्य मशाल प्रज्ज्वलित कर खेल समारोह की औपचारिक घोषणा की गई। विद्यालय प्रबंधक फादर पोल पारेकाटिल ने अतिथि परिचय प्रदान कर उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन के द्वारा खेलों की जीवन में उपयोगिता को बताते हुए अपने छात्र जीवन के अनुभव को साझा करते हुए छात्रों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में सम्मिलित होने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात स्पोर्टी ब्रेन के छात्रों द्वारा साहसिक खेल नृत्य एवं पिरामिड का प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। विद्यालय प्राचार्य सोबी थॉमस सर ने छात्रों को प्रतिस्पर्धाओं के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। उपप्राचार्य अनीश थॉमस सर एवं खेल विभाग प्रमुख कमलेश साहनी, तूफानसिंह, कुलदीप सर के नेतृत्व में खेल समारोह संपन्न हुआ।

बैरवा दिवस : उज्जैन में सांस्कृतिक समर्पण की तैयारी

उज्जैन। 31 दिसंबर को मनाए जाने वाले बैरवा दिवस के लिए उज्जैन में बैरवा समाज द्वारा महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में सभी 23 मोहल्लों के खलीफा, समाजसेवी, संत, वरिष्ठ जन, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हुए। इस बार की योजना में प्रभातफेरी, भव्य वाहन रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। झोन अध्यक्ष सुरेंद्र मेहर ने बताया कि हर साल बैरवा समाज इस दिन को विशेष रूप से मनाता है। जिसके लिए तैयारी 15 दिन पहले से शुरू होती है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा प्रोत्साहन, नशामुक्ति, नारी सशक्तिकरण और स्वच्छता का संदेश फैलाना है। रैली शहर के प्रमुख मार्गों जैसे तीन बत्ती चौराहा, सिंधी कॉलोनी और हरि फाटक से गुजरते हुए किशनपुरा में समाप्त होगी, जहां विशाल भोजन-प्रसाद का आयोजन किया जाएगा। सुरेंद्र मेहर के अनुसार इस आयोजन की शुरुआत 2013 में हुई थी, जिसमें पहले वर्ष हजारों लोग शामिल हुए थे। यह रैली हर वर्ष भव्यता के साथ आयोजित की जाती है। जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोग भाग लेते हैं। इस वर्ष भी पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 29 दिसंबर को दोपहर 2 बजे महिला सत्संग का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात समाज के वरिष्ठ जनों का व संतों का सम्मान किया जाएगा। इस वर्ष भी लगभग 10 हजार लोगों के सम्मिलित होने की संभावना है। जिसमें युवा, महिलाएं और बच्चे शामिल होंगे। जो 31 दिसंबर को सुबह 6 बजे प्रभातफेरी और 10 बजे वाहन रैली का हिस्सा बनेंगे। 1 जनवरी की शाम को संत बाली नाथ जी महाराज की भव्य आतिशबाजी के साथ आरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवा बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। बैरवा समाज हर साल नई सशक्तिकरण और स्वच्छता के संदेश के साथ निकलता है, जिससे पूरा शहर भगवा रंग में रंग जाता है। यह आयोजन न केवल सामाजिक समर्पण का प्रतीक है, बल्कि सामुदायिक एकता का भी उत्सव है।

नवजात शिशुओं, माताओं को भेंट किए गर्म वस्त्र

उज्जैन। वीरांगना झलकारी बाई कोरी सामाजिक संगठन द्वारा चरक चिकित्सालय में नवजात शिशुओं एवं उनकी माताओं को गर्म वस्त्र वितरित किए गए। संगठन की मीडिया प्रभारी अर्चना नरेंद्र कछवाय ने बताया कि कड़ाके की सर्दी में माताओं एवं नवजात शिशुओं को राहत देने के उद्देश्य से संगठन द्वारा गर्म वस्त्र भेंट किये गये। इस दौरान रागिनी हटिया, ललिता पारिया, नीलिमा वर्मा, सरोज कछवाय, ममता लारिया, रीना हटिया, अनीता भिटोरिया, श्रीमती दीपा आर्य, प्रेमलता जांगरिया, ममता मानकेरे, दिव्या रठा, प्रियंका रठा, संजना कोरी, पुष्पा जंगरिया, सर्वज्ञा रठा, वीणा सिकन्या, टीना रठा, रीना वर्मा, अंजू बड़ोनिया, हर्षिता जंगारिया, चिराग लारिया आदि मौजूद रहे।

महाप्रभुजी की बैठक पर मनाया जलेबी भोग उत्सव

उज्जैन। श्री वल्लभ वैष्णव मण्डल, महिला मण्डल एवं युवा मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में महाप्रभुजी की बैठक पर वैष्णवाचार्य विठ्ठलनाथ का प्राकट्य उत्सव (जलेबी उत्सव) बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लाह से मनाया गया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि इस अवसर पर श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, महिला मंडल, युवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में उज्जैन में प्रथम बार महाप्रभु जी की बैठक पर स्थित 84 बैठकों पर सामूहिक झारी चरण स्पर्श एवं जलेबी का भोग मंदिर के मुख्य ट्रस्टी विठ्ठल नागर के नेतृत्व में धराया गया। इस अवसर पर मंडल के संस्थापक संयोजक विठ्ठल नागर द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। तत्पश्चात सभी ब्रह्म संबंधित वैष्णव ने अपरस में आचार्य श्री महाप्रभुजी को केसर स्नान व भोग धराया। कार्यक्रम के पश्चात सभी वैष्णव ने महाप्रसादी का लाभ लिया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष आनंद पुरोहित, महिला मंडल की अध्यक्षा नूपुर नीमा एवं युवा मंडल के अध्यक्ष अमित नागर द्वारा सभी सदस्यों को झारी चरणस्पर्श करवाए। इस अवसर पर मंडल के सुदेश नीमा, बालकृष्ण नीमा, विशाल नीमा, अमर दिसावल, मनीष नागर, वरुण नागर, जयेश श्रॉफ, सुनील नीमा, दिपेश शाह, कामिनी शाह, मनीषा नागर, संगीता नागर, राजेंद्र शाह, पारुल शाह, बिहारीलाल राय सहित सैकड़ो वैष्णवजन ने धर्म लाभ लिया।

फसलों को नष्ट कर रहे नील गाय, किसान परेशान, वन विभाग नहीं चलाता रेस्क्यू ऑपरेशन

घट्टिया। वर्तमान में खेतों में गेहूं-चना सहित फसलों की खेती हो रही है। फसलें उग रहीं सिंचाई कार्य चल रहा है। एसे में नील गाय के झुंड के झुंड खेतों में आकर फसलों को नुकसान कर रहे हैं। जिससे किसानों में परेशानी व्याप्त है। नील गायों की संख्या अधिक होने से उनके द्वारा किसानों पर हमला करने, वाहन दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है। वन विभाग द्वारा को रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं चलाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र होने से नील गायों का प्रकोप अधिक है। घट्टिया में डाबरी रोड पर, डाबरी गाव के खेतों में, जलवा में शाम के समय तो हर जगह 10-20 नील गायों के झुंड रहते हैं। किसानों की मांग है कि नील गायों का रेस्क्यू कर उन्हें वनों में छोड़ा जाए।